

बी.ए. प्रथम वर्ष : हिन्दी साहित्य : प्रथम प्रश्न पत्र  
आदिकाल एवं भक्ति काल

अवधि : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

- |   |            |   |   |
|---|------------|---|---|
| 1 | विद्या पति | - | सम्पादक डॉ० शिव प्रसाद सिंह , लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद<br>पद सं० 5, 8, 10, 19, 26, 36, 40  |
| 2 | कबीर दास   | - | कबीर ग्रंथावली सं० श्याम सुन्दर दास , वाणी प्रकाशन<br>सुमिरण कौ अंग, प्रथम 20 साखी<br>पद - 1 संतो भाई आई ग्यान की आँधी<br>2 मन रे जागति रहिये भाई<br>3 पंडित वाद बंदते झूठा<br>4 काजी कौन कॅतेब बषानै<br>5 मन रे तन कागद का पुतला<br>6 अब मोहि राम भरोसा तेरा |
| 3 | जायसी      | - | जासयी ग्रंथावली सम्पादक राम चन्द्र शुक्ल<br>नागरी प्रचारिणी सभा पदमावत् से नागमती - सी देश खण्ड   |
| 4 | सूरदास     | - | भ्रमर गीतसार सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल<br>पद - 7, 8, 10, 15, 20, 21, 36, 40, 42, 45, 52, 58, 64, 67, 71,<br>75, 115, 116, 129, 130  |
| 5 | तुलसीदास   | - | विनय पत्रिका -- गीता प्रेस गोरखपुर<br>पद सं० 76 से 88 तक<br>कवितावली अयोध्या काण्ड 7, 8, 9, 13, 18, 19, 20 पद   |
| 6 | नन्ददास    | - | भंवरगीत   |

अंक विभाजन :- व्याख्या - कुल चार (एक कवि से एक ही व्याख्या पूछी जायेगी)  
आंतरिक विकल्प देय है। (4 x 10 = 40) अंक  
आलोचनात्मक प्रश्न कुल चार (4 x 15 = 60) अंक  
अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा। कुल दो टिप्पणियाँ 7½ - 7½ अंको की पूछी  
जायेंगी। आन्तरिक विकल्प देय होगा।

संयोजक बोर्ड ऑफ स्टडीज

अकादमिक पञ्चायती

बी.ए. प्रथम वर्ष : हिन्दी साहित्य द्वितीय प्रश्न पत्र  
गद्य साहित्य - कहानी, नाटक, एवं एकांकी

पूर्णांक : 100

अवधि : 3 घण्टे

|   |        |  |   |                        |
|---|--------|--|---|------------------------|
| 1 | कहानी  | उसने कहा था  | - | चन्द्र धर शर्मा गुलेरी |
|   |        | पूस की रात   | - | प्रेम चन्द             |
|   |        | आकाश दीप   | - | जय शंकर प्रसाद         |
|   |        | खेल  | - | जैनेन्द्र              |
|   |        | परदा   | - | यशपाल                  |
|   |        | दोपहर का भोजन  | - | अमर कांत               |
|   |        | चीफ की दावत  | - | भीष्म साहनी            |
|   |        | भूख  | - | चित्रा मुद्गल          |
|   |        | गदल  | - | शंघेय राघव             |
| 2 | नाटक   | वीर शिरोमणि महाराजा सूरज मल<br>(ऐतिहासिक नाटक) लेखक कुँवर पुष्कर सिंह<br>प्रकाशक भगवती प्रकाशन, पुराने बिजली घर के सामने, भरतपुर |   |                        |
| 3 | एकांकी | कौमदी महोत्सव  | - | राम कुमार वर्मा        |
|   |        | उपेन्द्र नाथ अश्क  | - | तौलिए                  |
|   |        | जगदीश चन्द्र माथुर   | - | भोर का तारा            |
|   |        | लक्ष्मी नारायण लाल   | - | व्यक्तिगत              |
|   |        | भुवनेश्वर - श्यामा : एक वैवाहिक विडम्बना   |   |                        |

अंक विभाजन :- व्याख्या - कुल चार व्याख्याएँ (एक पाठ से एक व्याख्या अनिवार्य है)  
आंतरिक विकल्प देय (4 x 10 = 40) अंक  
आलोचनात्मक प्रश्न - कुल चार (4 x 15 = 60) अंक  
आलोचनात्मक अंतिम प्रश्न टिप्पणी परक होगा। कुल दो टिप्पणियाँ 7½ - 7½  
अंको की पूछी जायेगी। आन्तरिक विकल्प देय होगा।

सहायक पुस्तकें :- रामचन्द्र तिवारी : हिन्दी का गद्य साहित्य  
राम विलास शर्मा : प्रेम चन्द और उनका युग  
नामवर सिंह : कहानी नयी कहानी  
देवी शंकर अवस्थी : हिन्दी कहानी संदर्भ और प्रकृति  
रामकुमार वर्मा : एकांकी कला

दशरथ शर्मा : हिन्दी नाटक उद्भव और विकास  
जगन्नाथ शर्मा : जयशंकर प्रसाद के नाटकों की  
शास्त्रीय अध्ययन

संयोग लाल शर्मा (हिन्दी)

अकादमिक प्रभारी